अमर उजाला
बरेली
सोमवार, 10 अप्रैल 2023
वैशाख कृष्ण-चतुर्थी
विक्रम संवत-2080
PAGE NO : 7 MIDDLE

शाम-ए-गम कैसे ढली, याद नहीं...

बरेली। गीतकार गुलजार को समर्पित कार्यक्रम "अदब ए गुलजार" के जरिये एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम खास आयोजन हुआ। गुलजार के गीतों को गायन गुरुओं और उनके शिष्यों ने श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। स्वरों की जुगलबंदी, वाद्ययंत्रों का तालमेल लोगों को बेहद पसंद आया।

गायन के विद्यार्थी अतिशय और पंखुड़ी ने फिल्म मासूम के लिए गुलजार के लिखे गीत तुझसे नाराज नहीं जिंदगी... से आगाज किया। आज कल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे... को विद्यार्थी शालिनी और लता अग्रवाल ने अपने स्वरों से सजाया। गुरु आयुषी मजूमदार के साथ शिष्य रजनी ने गुलजार के कलाम आप अगर इन दिनों यहां होते, हम जमीन पर भला कहां होते... को अपने सुरों से सजाया। गेस्ट सिंगर श्रबोनी भट्टाचार्य ने गुलजार के कलाम शाम ए गम कैसे ढली और इंदू परडल ने तुमको हम दिल में बसा लेंगे तुम आओ तो सही को अपने स्वर से सजाया।

गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे ने जब भी आंखों में अश्क भर आए को प्रस्तुत करने के साथ गायन गुरु शिवांगी मिश्रा के साथ मिर्जा गालिब के कलाम हर बात पे कहते हो कि तुम क्या हो को भी स्वर दिए। अंतिम प्रस्तुति के रूप में गायन गुरु आयुषी मजूमदार, स्नेह आशीष दुबे ने गुलजार की प्रसिद्ध गजल बीते रिश्ते तलाश करती है, खुशबू गुंचे तलाश करती है को श्रोताओं के सामने रखा। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डॉ.प्रभाकर गुप्ता सहित शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे। संवाद

रिद्धिमा में गायन की प्रस्तुति देते कलाकार। संवाद

गीतकार गुलजार के गीतों से गुलजार हुआ रिद्धिमा